



Paper – 2nd (Population & Environment)

Unit – 1st (Characteristics Of Population & Population Policy)

- :: रूपरेखा :: -

- ❖ प्रस्तावना
- ❖ क्या है जनसंख्या और जनसंख्या वृद्धि
- ❖ जनसंख्या वृद्धि के कारण
- ❖ जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाये गए कदम
- ❖ जनसंख्या वृद्धि रोकने के उपाय
- ❖ जनसंख्या को नियंत्रित करना क्यों है आवश्यक
- ❖ निष्कर्ष

** प्रस्तावना **

- जनसंख्या एक क्षेत्र में रहने वाले लोगों की कुल संख्या को दर्शाती है। यह न केवल मनुष्यों को संदर्भित करती है बल्कि जीवित जीवों के अन्य रूपों को भी संदर्भित करती है जिनमें पैदा करने और गुणा करने की क्षमता होती है। पृथ्वी के कई हिस्सों में जनसंख्या बढ़ रही है। हालांकि विभिन्न देशों की सरकार विभिन्न तरीकों से इस मुद्दे को रोकने की कोशिश कर रही है लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना होगा।

** क्या है जनसंख्या और जनसंख्या वृद्धि? **

- जीव विज्ञान में, विशेष प्रजाति के अंतः जीव प्रजनन के संग्रह को जनसंख्या कहते हैं। समाजशास्त्र में जनसंख्या को 'मनुष्यों के संग्रह' के तौर पर परिभाषित किया गया है। किसी क्षेत्र में, समय की किसी निश्चित अवधि के दौरान वहां बसे हुए लोगों की संख्या में बदलाव होता रहता है। इसे ही जनसंख्या वृद्धि यानी जनसंख्या परिवर्तन कहा जाता है, ये धनात्मक भी हो सकता है और ऋणात्मक भी।

** जनसंख्या वृद्धि के कारण **

- जीवन प्रत्याशा में वृद्धि
- पारिवार नियोजन की कमी
- बाल विवाह
- अशिक्षा
- धार्मिक कारण और रूढ़िवादिता
- गरीबी
- अवैध प्रवासी

** भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम **

- 1976 में संविधान के 42वें संशोधन के तहत सातवीं अनुसूची की तीसरी सूची में जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन जोड़ा गया। इसके तहत केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन के लिए कानून बनाने का अधिकार दिया गया।
- **न्यूनतम विवाहयोग्य आयु** - सरकार ने पुरुषों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य आयु 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 साल तय की है। हालांकि इस पर कोई कड़ी जांच नहीं है। देश के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में लोग अभी भी कम उम्र में अपने बच्चों की शादी करते हैं। सरकार को शादी की न्यूनतम उम्र में वृद्धि करना चाहिए और इसके लिए जांच भी कड़ी करनी चाहिए।
- **मुफ्त शिक्षा** - भारत सरकार ने बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के अधिकार के जरिए देश के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराई है। जनसंख्या को नियंत्रित करने का एक और तरीका है निरक्षरता को समाप्त करना।

- **राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम** - भारत दुनिया में पहला देश है जिसने वर्ष 1952 में परिवार नियोजन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया था। ऐतिहासिक शुरुआत के बाद से परिवार नियोजन कार्यक्रम में नीतियों और वास्तविक कार्यक्रम क्रियान्वयन के अनुसार परिवर्तन किया है तथा वर्तमान में इस कार्यक्रम को न केवल जनसंख्या स्थिरीकरण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पुनर्स्थापित किया गया है बल्कि यह कार्यक्रम **प्रजनन स्वास्थ्य** को बढ़ावा भी देता है इसके साथ-साथ **मातृ, शिशु और बाल मृत्यु दर एवं रोग दर** को भी कम करता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र स्वास्थ्य प्रणाली के अंतर्गत कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करता है।
- **"मिशन परिवार विकास"** - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2016 में **"मिशन परिवार विकास"** की शुरुआत की। मिशन परिवार विकास सर्वाधिक कुल प्रजनन दर वाले देश के सात राज्यों के जिलों में शुरू किया गया था। ये सात राज्य **उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और असम** हैं। इन सात राज्यों के उच्च प्रजनन वाले 146 जिलों में स्वास्थ्य प्रणाली के सभी स्तरों पर गर्भ निरोधक तरीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान दिया गया है।

**** जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपाय ****

- 1- शिक्षा का प्रसार-
- 2- विवाह की आयु में वृद्धि करना-
- 3- संतानोत्पत्ति की सीमा निर्धारण-
- 4- सामाजिक सुरक्षा-
- 5- परिवार नियोजन संबंधी शिक्षा-
- 6- महिला शिक्षा-
- 7- यौन शिक्षा-
- 8- जन संपर्क- कई स्वयं सेवी संगठन भी लोगो के बीच जाकर उनसे बातचीत कर जनसंख्या वृद्धिसे उत्पन्न समस्याओं की जानकारी देते हैं। उन्हें नुक्कड़ नाटको, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा तरह-तरह की प्रतियोगिताएं कराकर जनसंख्या वृद्धि के कारणों तथा समस्याओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाते हैं।

**** जनसंख्या को नियंत्रित करना क्यों आवश्यक है? ****

आबादी की बढ़ती दर कई समस्याओं का कारण है। विकासशील देश विकसित देशों के स्तर तक पहुंचने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और इन देशों में जनसंख्या में तेजी से वृद्धि इस दिशा में मुख्य बाधाओं में से एक है। बढ़ती आबादी के कारण बेरोजगारी की समस्या उच्चतम स्तर पर है। नौकरियों की तलाश में कई लोग हैं लेकिन रिक्तियां सीमित हैं। बेरोजगारी गरीबी का कारण है जो एक और समस्या है। यह लोगों के बीच असंतोष पैदा करती है और अपराध को जन्म देती है। जो लोग अपनी वांछित नौकरियां प्राप्त नहीं कर पाते वे अक्सर पैसे कमाने के लिए अवांछित तरीके अपनाते हैं।

** निष्कर्ष **

- लोगों को आबादी नियंत्रित करने के महत्व को समझना चाहिए। यह न केवल उन्हें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तथा बेहतर जीवन स्तर प्रदान करेगा बल्कि अपने देश के समग्र विकास में भी मदद करेगा। सरकार को भी इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और जनसंख्या नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए उचित नियम और नीतियां बनानी चाहिए। इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए दोनों सार्वजनिक और सरकार को एक साथ काम करने की आवश्यकता है।